

१३

प्रेषक,

संख्या— 04/IX/2012/108/2010टी०सी०

पी०सी० शर्मा
प्रमुख सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक
नागरिक उड़डयन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

परिवहन एवं नागरिक उड़डयन अनुभाग-2

देहरादून:

दिनांक 16 मार्च, 2012

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2011-12 में नागरिक उड़डयन विभाग को पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति।

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 2050/01/(तीन) लेखा/बजट/2011-12 दिनांक 01 मार्च, 2012, शासनादेश संख्या— 03/IX/06/2011 दिनांक 07 अप्रैल, 2011, शासनादेश संख्या—05/IX/108/2010 दिनांक 25 अप्रैल, 2011, शासनादेश संख्या—DFA/IX/108/2010 दिनांक 18 मई, 2011, शासनादेश संख्या—10/IX/2011/108/2010 दिनांक 12 जुलाई, 2011, एवं शासनादेश संख्या—18/IX/2011/108/2010 दिनांक 12 अक्टूबर, 2011 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय व्ययक के अन्तर्गत नागरिक उड़डयन विभाग की विभिन्न मदों में ₹० 73,10,000.00(रु० ० तेहत्तर लाख दस हजार मात्र) की धनराशि को संलग्न बी०ए०—१५ प्रपत्र महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- I— उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
- II— उक्तानुसार आवंटित धनराशि किसी अन्य मद में व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुरितका बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य समकक्ष अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा।
- III— इस सम्बन्ध में व्यय करते समय बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुरितका और स्टोर पर्चेज रॉल्स डी०जी०एस० एण्ड डी० मितव्ययता के नियमों में समय-समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
- IV— जो देयक प्री आडिट में आ गये हैं उनकी प्री आडिट वित्तीय हस्तपुरितका खण्ड -5 के भाग-1 के नियम 74 के अनुसार पूर्व सम्परीक्षा करके ही नियमानुसार भुगतान की कार्यवाही की जायेगी।
- V— उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जायेगा।
- VI— स्वीकृत की जा रही धनराशि के केवल लम्बित देयताओं का ही भुगतान किया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2012 तक उपयोग

कर लिया जायेगा अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित करें।

2— इस सम्बन्ध मे होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या—24 के "आयोजनेत्तर पक्ष" के लेखा शीर्षक 3053-नागर विमानन-80 —सामान्य -003 —प्रशिक्षण तथा शिक्षा-03 नागरिक उड़डयन के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 मे उल्लिखित मदो के नामें डाला जायेगा तथा पुनर्विनियोजन संलग्न प्रपत्र बी0एम0-15 के स्तम्भ 4 की वचतों से किया जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या—113/XXVII(2)/2012 दिनांक 16 मार्च, 2012 मे प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक: प्रपत्र-बी0एम0-15

भवदीय

(पी0सी0 शमा)
प्रमुख सचिव

संख्या—04 (1)/IX/2012/108/2010 टी0सी0तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (आईट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेश, सी-1/105 इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड (ए एण्ड ई) ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री को मा० मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
4. प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
5. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी0सी0शमा) 6/3
प्रमुख सचिव।

आय व्ययक प्रपत्र- B.M.-15 पुनर्विनियोग 2011-12

अनुदान संख्या-24 आयोजनेतर से आयोजनेतर

नियन्त्रक अधिकारी-प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, प्रशासनिक विभाग-प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग उत्तराखण्ड शासन, (धनराशि रु० हजार रूपये में)

बजट प्राविधानित लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अद्यावधिक व्यय	विलोय वई के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस धनराशि)	लेखा शीर्षक, जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है	पूर्वविनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (कालम 1 में अवशेष)	अन्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
3053-नागर विभानन 80-सामान्य 00-आयोजनेतर आयोजनेतर 003-प्रशिक्षण तथा शिक्षा 03-नागरिक उड्डयन-00- 01-वेतन रु० 6000 17-किराया उपशुल्क और कर स्वामिन्य रु० 250 44-प्रशिक्षण व्यय रु० 1000 16-व्यापार तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान रु० 20000 31-सामाग्री सम्पूर्ति रु० 6000	3497	2193	10 (क)	3053-नागर विभानन 80-सामान्य आयोजनेतर 003-प्रशिक्षण तथा शिक्षा 03-नागरिक उड्डयन-00- 06-अन्य भत्ते रु० -310 05- स्थानान्तरण यात्रा व्यय रु०-145 15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद रु० -300 18-प्रकाशन रु० -200 42-अन्य व्यय रु० -6355	772	5690	1-(क) (ख) (ग) (घ) एवं (ड) आवश्यकता न होने से। 2-(च) (छ) (ज) (झ) एवं (अ) बजट प्राविधान से अधिक व्यय की आवश्यकता होने के कारण।
	06	04	240 (ख)		165	10	
	36	504	460 (ग)		730	540	
	11326	3774	4900(घ)		300		
	4039	561	1400(ड)		18355	15100	
योग	33250	18904	7036	7310	20322	25940	
				7310			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद-150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(पी० सी० शर्मा) 1613
प्रमुख सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-2

संख्या ।।३/XXVII(2)/2012
देहरादून: दिनांक ।।६ मार्च, 2012

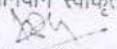
संदेश में,

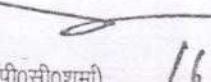
महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)
उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।

संख्या - ०४/IX/108/2010 टीसी तददिनांक।

प्रातिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यदाही हेतु प्रेषित-

- 1- निदेशक, राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वरिष्ठ/मुख्य कोषाधिकारी देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-2।

पुनर्विनियोग स्वीकृत-

(कुंभर सिंह)
अपर सचिव, वित्त।

16/३

(पी०सी०शनी)
प्रमुख सचिव।